समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)
एम पी ई डी ए भवन, पनंपिल्ली एवन्यू
डाक पेटी सं. 4272, कौच्ची-682036, भारत
The Marine Products Export Development Authority
(Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India)
MPEDA House, Panampilly Avenue
P.B. No. 4272, Kochi-682 036, India
फोन Phone 2311979, 2311901, 2311854, 2311803, 2313415, 2314468, 2315065
फैक्स Fax : 91-484-2313361
E-mail : ho@mpeda.gov.in
Website : www.mpeda.com

प्रेस विज्ञप्ति

भारत ने 2020-21 के दौरान 11,49,341 मीट्रिक टन सीफूड का निर्यात किया

- **कोविड, मंद बाज़ार, लॉजिस्टिक समस्याओं के कारण 10.88% की गिरावट, लेकिन पिछली तिमाही में सुधार : एमपीईडीए अध्यक्ष**
- **एक्वाकल्चर क्षेत्र का प्रदर्शन बेहतर; तिलापिया और आलंकारिक मत्स्य के निर्यात में इजाफा**

कोच्चि, 2 जून : कोविड **महामारी और विदेशी बाजारों में मंदी ने भारत के बढ रहे सीफूड क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। देश ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 43,717.26 करोड़ रुपये (5.96 बिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के 11,49,341 मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया और इस तरह से इसमें एक साल पहले की तुलना में 10.88 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई।**

अमेरिका, चीन और यूरोपीय संघ (ईयू) प्रमुख आयातक थे, जबकि प्रशीतित श्रिम्प ने प्रमुख निर्यात वस्तु के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी, जिसके बाद का स्थान प्रशीतित मत्स्य का रहा।

वर्ष **2019-20 में, भारत ने 46,662.85 करोड़ रुपये (6.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के 12,89,651 मीट्रिक टन सीफूड का निर्यात किया, जो कि** वर्ष **2020-21 में रुपये के संदर्भ में 6.31 प्रतिशत और डॉलर मूल्य में 10.81 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।**

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अध्यक्ष श्री के एस श्रीनिवास ने कहा, "महामारी ने वर्ष की पहली छमाही के दौरान सीफूड के निर्यात को काफी प्रभावित किया, लेकिन वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में इसमें अच्छा सुधार हुआ। इसके अलावा, एक्वाकल्चर क्षेत्र ने इस वित्त वर्ष के दौरान निर्यातित वस्तुओं में डॉलर के संदर्भ में 67.99 प्रतिशत और मात्रा में 46.45 प्रतिशत का योगदान देकर बेहतर प्रदर्शन किया, जो कि वर्ष 2019-20 की तुलना में क्रमशः 4.41 प्रतिशत और 2.48 प्रतिशत अधिक है।"

प्रशीतित श्रिम्प ने मात्रा में 51.36 प्रतिशत और कुल डॉलर अर्जन में 74.31 प्रतिशत का योगदान दिया। अमेरिका इसका सबसे बड़ा आयातक (2,72,041 मीट्रिक टन) रहा, इसके बाद चीन (1,01,846 मीट्रिक टन), यूरोपीय संघ (70,133 मीट्रिक टन), जापान (40,502 मीट्रिक टन), दक्षिण पूर्व एशिया (38,389 मीट्रिक टन), और मध्य पूर्व (29,108 मीट्रिक टन) रहा।

हालांकि, श्रिम्प का निर्यात डॉलर मूल्य में 9.47 प्रतिशत और मात्रा में 9.50 प्रतिशत घट गया। कुल श्रिम्प निर्यात 4,426.19 मिलियन डॉलर मूल्य का 5,90,275 मीट्रिक टन था । वन्नामेई (व्हाइटलेग) श्रिम्प का निर्यात वर्ष 2020-21 में 5,12,204 मीट्रिक टन से घटकर 4,92,271 मीट्रिक टन हो गया। डॉलर मूल्य में कुल वन्नामेई श्रिम्प निर्यात में से,

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)
एम पी ई डी ए भवन, पनंपिल्ली एवन्यू
डाक पेटी सं. 4272, कौच्ची-682036, भारत
The Marine Products Export Development Authority
(Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India)
MPEDA House, Panampilly Avenue
P.B. No. 4272, Kochi-682 036, India
फोन Phone 2311979, 2311901, 2311854, 2311803, 2313415, 2314468, 2315065
फैक्स Fax : 91-484-2313361
E-mail : ho@mpeda.gov.in
Website : www.mpeda.com

56.37 प्रतिशत अमेरिका को निर्यात किया गया था, इसके बाद चीन (15.13 प्रतिशत), यूरोपीय संघ (7.83 प्रतिशत), दक्षिण पूर्व एशिया (5.76 प्रतिशत), जापान (4.96 प्रतिशत) और मध्य पूर्व (3.59 प्रतिशत) को निर्यात किया गया।

ब्लैक टाइगर (पेनियस मोनोडोन) श्रिम्प के प्रमुख बाजार जापान की डॉलर के संदर्भ में 39.68 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही, इसके बाद का स्थान अमेरिका (26.03 प्रतिशत), दक्षिण पूर्व एशिया (9.32 प्रतिशत), यूरोपीय संघ (8.95%), मध्य पूर्व (6.04 प्रतिशत) और चीन (3.76 प्रतिशत) का रहा।

मात्रा में 16.37 प्रतिशत और डॉलर के अर्जन में 6.75 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ प्रशीतित मत्स्य ने निर्यात में दूसरा स्थान बरकरार रखा, हालांकि इसकी शिपमेंट मात्रा में 15.76 प्रतिशत और डॉलर के संदर्भ में 21.67 प्रतिशत घट गई।

"अन्य वस्तुओं" की तीसरी सबसे बड़ी श्रेणी, जिसमें बड़े पैमाने पर सुरीमी (फिश पेस्ट) और सुरीमी एनालॉग (प्रतिरूप) उत्पाद शामिल थे, ने मात्रा और रुपये के मूल्य से क्रमशः 0.12 प्रतिशत और 0.26 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दिखाई, लेकिन डॉलर के संदर्भ में 5.02 प्रतिशत की गिरावट आई ।

प्रशीतित स्क्विड और प्रशीतित कटलफिश के निर्यात में मात्रा में क्रमशः 30.19 प्रतिशत और 16.38 प्रतिशत की गिरावट आई। तथापि, सूखी वस्तुओं में मात्रा और रुपये के मूल्य में क्रमशः 1.47 प्रतिशत और 17 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

ठंडी वस्तुओं और जीवित वस्तुओं के शिपमेंट, जो महामारी की स्थिति में एयर कार्गो कनेक्टिविटी में कमी के कारण नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए थे, उनकी मात्रा में क्रमशः 16.89 प्रतिशत और 39.91 प्रतिशत की गिरावट आयी।

कैप्चर मत्स्य पालन का योगदान मात्रा में 56.03 प्रतिशत से घटकर 53.55 प्रतिशत और डॉलर मूल्य में 36.42 प्रतिशत से घटकर 32.01 प्रतिशत हो गया। तथापि, तिलापिया और आलंकारिक मत्स्यों ने मात्रा में 55.83 प्रतिशत और 66.55 प्रतिशत की वृद्धि और डॉलर की आय में क्रमशः 38.07 प्रतिशत और 14.63 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। टूना ने मात्रा में 14.6 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई, लेकिन डॉलर अर्जन में 7.39 प्रतिशत की गिरावट आई। क्रैब और स्कैम्पी का निर्यात, मात्रा और मूल्य दोनों में कम हुआ ।

अमेरिका 2,91,948 मीट्रिक टन के आयात के साथ डॉलर के संदर्भ में 41.15 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारतीय सीफूड का प्रमुख आयातक बना रहा। उस देश को किए गए निर्यात में रुपये मूल्य में 0.48% की वृद्धि हुई, लेकिन मात्रा और डॉलर के संदर्भ में क्रमशः 4.34 प्रतिशत और 4.35 प्रतिशत की गिरावट आई। प्रशीतित श्रिम्प, अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात की प्रमुख वस्तु बनी रही, जबकि वन्नामेई श्रिम्प के निर्यात में मात्रा में 6.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तथापि, ब्लैक टाइगर श्रिम्प के आयात में मात्रा और डॉलर के हिसाब से क्रमशः 70.96 प्रतिशत और 65.24 प्रतिशत की कमी आई।

चीन, 939.17 मिलियन डॉलर मूल्य के 2,18,343 मीट्रिक टन सीफूड के आयात के साथ, डॉलर अर्जन में 15.77 प्रतिशत और मात्रा के संदर्भ में 19 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)
एम पी ई डी ए भवन, पनंपिल्ली एवन्यू
डाक पेटी सं. 4272, कौच्ची-682036, भारत
The Marine Products Export Development Authority
(Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India)
MPEDA House, Panampilly Avenue
P.B. No. 4272, Kochi-682 036, India
फोन Phone : 2311979, 2311901, 2311854, 2311803, 2313415, 2314468, 2315065
फैक्स Fax : 91-484-2313361
E-mail : ho@mpeda.gov.in
Website : www.mpeda.com

दूसरा सबसे बड़ा बाजार बना रहा। हालांकि, मात्रा और डॉलर के हिसाब से इस देश के निर्यात में क्रमशः 33.73 फीसदी और 31.68 फीसदी की गिरावट आई है। प्रशीतित श्रिम्प चीन को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तु थी, जिनकी मात्रा में 46.64 प्रतिशत और डॉलर अर्जन में 61.87 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही।

डॉलर मूल्य में 13.80 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे सबसे बड़े गंतव्य स्थान यूरोपीय संघ ने प्रमुख वस्तु के रूप में प्रशीतित श्रिम्प का आयात किया। तथापि, यूरोपीय संघ के देशों को किए गए प्रशीतित श्रिम्प के निर्यात में मात्रा और डॉलर मूल्य में क्रमशः 5.27 प्रतिशत और 6.48 प्रतिशत की कमी आई।

दक्षिण पूर्व एशिया में निर्यात की हिस्सेदारी डॉलर के मूल्य में 11.17 प्रतिशत थी। तथापि मात्रा के हिसाब से इसमें 2.56 फीसदी और डॉलर के संदर्भ में 5.73 फीसदी की गिरावट आई। डॉलर के संदर्भ में 6.92 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ पांचवें सबसे बड़े आयातक जापान को शिपमेंट में मात्रा में 10.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन डॉलर के मूल्य में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई।

मध्य पूर्व, डॉलर मूल्य में 4.22 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ छठा सबसे बड़ा गंतव्य स्थान रहा, जहां मात्रा और डॉलर के संदर्भ में क्रमशः 15.30 प्रतिशत और 15.51 प्रतिशत की गिरावट आई। प्रशीतित श्रिम्प निर्यात की प्रमुख वस्तु थी, जिसका डॉलर के संदर्भ में 72.23 प्रतिशत हिस्सा था।

श्रीनिवास ने कहा कि महामारी के प्रभाव के अलावा, कई अन्य कारकों ने 2020-21 के दौरान सीफूड निर्यात को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। उत्पादन के मामले में, मछली पकड़ने के दिनों की संख्या कम होने, धीमी गति से लॉजिस्टिक मूवमेंट और बाजार की अनिश्चितताओं के कारण मछली की मात्रा कम हो गई थी। मछली पकड़ने और प्रोसेसिंग संयंत्रों में श्रमिकों की कमी, बंदरगाहों पर कंटेनरों की कमी, हवाई माल भाड़ा शुल्क में वृद्धि और सीमित संख्या में उड़ान की उपलब्धता ने निर्यात को प्रभावित किया, विशेष रूप से उच्च मूल्य वाले ठंढे और जीवित उत्पादों के निर्यात को प्रभावित किया।

विदेशी बाजार की स्थिति एक और निराशाजनक बात थी। चीन में, कंटेनर की कमी, माल भाड़ा प्रभार में वृद्धि, और सीफूड की खेप पर कोविड जांच ने बाजार में अनिश्चितताएं पैदा की। अमेरिका में, कंटेनरों की कमी ने निर्यातकों के लिए समय पर ऑर्डर पूरा करना मुश्किल बना दिया। होरेका (होटल, रेस्तरां और कैफे) सेगमेंट को बंद करने से भी मांग प्रभावित हुई। जापान और यूरोपीय संघ में, कोविड के कारण होने वाले लॉकडाउन ने रिटेल, रेस्तरां, सुपरमार्केट और होटल के व्यवसाय में मंदी आई।